













## चीन से ही निकला था कोरोना वायरसः अमेरिकी रिपोर्ट ने दावा- बुहान लैब में संक्रित हुए थे 3 साइंटिस्ट, FBI के पास सबूत नौजूद

कोरोना वायरस अधिक कहां से आया था? यह बड़ा सवाल बना हुआ है। अब एक अमेरिकी अखबार की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यह वायरस चीन की बुहान लैब से ही लोक हुआ था और बाद में इनमें पूरी दुनिया को चपेट में ले लिया।

रिपोर्ट के मुताबिक- बुहान लैब के तीन वैज्ञानिक सबसे पहले कोरोना इफेक्शन का शिकाया हुआ था। इन तीनों के नाम भी सामने आ चुके हैं। इन्हाँने एक जीवाणु की व्याया किया गया है कि चीन की इस हक्कत के समाम सबूत अमेरिकी खुफिया एजेंसी त्रैक्रॉफ के पास मौजूद है।

रिपोर्ट में कहा गया है- ईंजीनियर इस बात का दावा कर रहा है कि अब अमेरिकी सरकार दुनिया के सामने कब सबूत रखेंगे और चीन के खिलाफ वया कार्रवाई की जाएगी।

» दुहान लैब में तीन वैज्ञानिक इफेक्टर्ड हुए थे

न्यूज वेबसाइट 'पब्लिक' के अलावा कुछ और न्यूज पोर्टल्स ने तीन अमेरिकी पत्रकारों की कोरोना पर एक्स्क्लूसिव रिपोर्ट पब्लिक की है। ये तीन जनलिस्ट्स हैं- माइकल शेलेनबर्ग, मैट टाइबी और एलेक्स गुटेंग।

रिपोर्ट के मुताबिक- शक अब सच साबित हो रहा है। 2019 के अधिकार में कोरोना वायरल चीन की बुहान लैब से ही लोक हुआ था। सबसे पहले इसी लैब के तीन साइंटिस्ट संक्रित हुए थे। शुरूआत में इस अपर वायरस माना गया था।

अमेरिकी सरकार में मौजूद सूत्रों के मुताबिक- जो तीन वैज्ञानिक सबसे पहले संक्रित हुए थे, उनके नाम बेन है, यू पिंग और यान ज्ञा थे। तीनों इस लैब के लोड रिसर्चर्स थे।

जनलिस्ट्स की इस टीम ने अमेरिकी सरकार के सूत्रों से पूछा- अप जिन तीन वैज्ञानिकों के नाम बता रखे हैं, उनके बारे में अप कितन शर्याँ हैं कि यही तीन सबसे पहले का शिकाया हुए है? सुने तो कहां हम 90% शर्याँ हैं। अब यह अमेरिकी संसद की जिम्मेदारी है कि यो ईंटीलिजेंस एजेंसी और नेशनल ईंटीट्रॉयर एक्स्प्लॉन एंड ईंट्रेनिंग्स डिसीजे के डायरेक्टर डॉक्टर एंथनी फैसोंसे से जबाब तलब करें।

» अमेरिका का वया और वयों छिपा रहा है

रिपोर्ट तैयार करने वाले जनलिस्ट्स कहते हैं- अब सबल वय है कि अमेरिका कब से इस तमाम बातों को जानता है और उसने चुप्पी वयों साथ रखी है? इसी साल फरवरी में इंडियानेर क्रिस्टोफर रैने के कहा था- हम काफी वक्त से जानते हैं कि कोरोना वायरस बुहान लैब से ही लोक हुआ था।

अब सबल वय तेरता है कि वया खेल लासा पहले नहीं किया जा सकता था। अब तक तो चीन ने तमाम सबूत ही मिटा दिया है। बहरहाल, कई लोग नहीं हैं कि कोरोना कैसे लोक हुआ था कहा से आया, अब इस पर बहस बैठानी है। उनके मुताबिक- इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोरोना कैसे शुरू हुआ।

अब कुछ अमेरिकी इंस्टीट्यूशन्स भी इस मामले को दबा देना चाहते हैं। दसरी सरकारी की कुछ नहीं कर सकता है। न्यूयार्क पोस्ट की कोरोना और बुहान लैब पर रिपोर्ट के तो कैसेस्कूल ने तक बैन कर दिया था। ट्रिवटर में भी इस साजिश पर काम करने वाले जनलिस्ट्स को चुप करा दिया।

» बाइडेन का आदेश का वया हुआ

दो साल पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अमेरिकी खुफिया एजेंसियों से कोरोना के ओरिजिन पर बारीकी से जांच करने के लिए कहा था। रिपोर्ट 90 दिन में मांगी थी। बाइडेन ने जांच करने की चीन की बुहान लैब से वायरस का इंसान को लेकर भी जांच करने को कहा था।

उन्होंने कहा था- अमेरिका उस देशों के साथ सहयोग जारी रखेगा, जो वायरस की जांच सही ढंग से करना चाहते हैं। इससे चीन पर पारदर्शी और अंतर्राष्ट्रीय जांच में भाग लेने का दबाव डालने में कौआ जंगल में आया था। जब उसने बरेट को देखा तो मन में चिंचाया कि यह बरेट तो बुहु स्वस्थ दिखाए देता है। अब वय ही इसे उत्तम भोजन मिलाता होगा। उन्हें बरेट से पूछा- भई! तुम कौन-सा ऐरेंजर भोजन करते हो, जो भी जांच करने के बाबा करता है। अब हमें कौन खाने को देता है? जो भी जांच संवर्धन के बाबा मिले, वह अच्छा होने पर भी शरीर को देखता है। अब तुम तो घास-तिक्कने की हांडी की जांच करता है।

एक लोककथा है। जीवन की वयों की रेटिंग की ओर से मंगलवार को अखबारों में दिखाया गया एक विज्ञान सरकार और सत्तारुद्ध गठबंधन के गले की हड्डी बन गया है। विज्ञान छपते ही जहां विपक्ष ने उसनीहत होकर इसे उड़ाना सुरु कर दिया है, वहीं प्रदेश बीजेपी के नेता अपने असहाय छुपाने की नाकाम कोशिश कर रहे हैं। विज्ञान में लिखा गया था- राष्ट्र में मोदी, महाराष्ट्र में सरकार।

परे जेजे के इस विज्ञान में फॉटो भी सिर्फ मोदी और शिंगं की है। प्रदेश बीजेपी नेता और महाराष्ट्र के मौजूदा उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की तस्वीर नहीं दी गई है। विज्ञान में एक हालिया सर्वे के बावल से बताया गया है कि यह जन्म 26.1 फॉसीसी लोग देवेंद्र फडणवीस को अपने नामी थी, इसलिए उन्हें नहीं दिखाया गया है। 2019 के चुनावों में बीजेपी ने नारा दिया था- केंद्र में नेतृत्व, महाराष्ट्र में देवेंद्र।

ऐसे में देवेंद्र फडणवीस को दरकिनार करने की बीजेपी की विरोध भरते हैं। बीजेपी ने इस पर खुलकर हड्डों के दरकिनार करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। बीजेपी ने इस पर खुलकर विरोध भरते ने जाता रहा है। उसकी नाराजगी स्पष्ट है। महाराष्ट्र विकास आयाझी से अलग हुए इस रूप को तत्कालीन परिस्थितियों का फायदा

## क्या हमारे आज को बिगड़ दहा है इतिहास

इतिहास को लेकर आजकल जो कुछ चल रहा है, वह कोई नई बात नहीं, ब्यांकोंकि हम रोज कुछ ही कुछ सुनते हैं। आज हमारा वया है और कल हमारे देश में व्याया है कि यह वायरस चीन की बुहान लैब से ही लोक हुआ था और बाद में इनमें पूरी दुनिया को चपेट में ले लिया।

रिपोर्ट के मुताबिक- बुहान लैब के तीन वैज्ञानिक सबसे पहले कोरोना इफेक्शन का शिकाया हुआ था। इन्हाँने एक जीवाणु की व्याया किया गया है कि चीन की इस हक्कत के समाम सबूत अमेरिकी खुफिया एजेंसी त्रैक्रॉफ के पास मौजूद है।

रिपोर्ट में कहा गया है- ईंजीनियर इस बात का पास मौजूद है।

» दुहान लैब में तीन वैज्ञानिक इफेक्टर्ड हुए थे

तरह यह है कि आज जिस

साहब से सुना, जो NAL के द्वारा बनाया गया है, उसके लिए कुछ लोग मध्यकालीन भारत से पौछे जाने की जरूरत है। इन्होंने एक बहुत सुंदर आर्टिकल लिखा था कि टीपू ने केस फ्रेंच एक्सपर्ट्स के मध्यकालीन भारत से लोगों को बहुत इस्तेमाल किया है। वे लोग उसे भी भारत को कहा है कि इतिहास को लेकर लाड़ाई। उन रोकेट्स से उसने ईस्ट

के बड़े वैज्ञानिक रोडेन नरसिंहा

## मजबूत नारखून और स्वस्थ बाल चाहिये तो प्लेट में शामिल करें ये आहार



सालमन मछली: इस मछली में ओमेगा 3 फैटी एसिड होता है जो कि बालों को चमकिला और स्वस्थ बनाता है। इसमें विटामिन डी प्रोटीन भी होता है जो कि नाखूनों के लिये अच्छा माना जाता है। अगर आप सालमन मछली नहीं खाते तो इसकी जगह पर कढ़ू के बीज, एवाकाडो और अखरोट खा सकते हैं।

सोयाबीन मजबूत बाल और नाखूनों के लिये प्रोटीन का सेवन करें क्योंकि इसमें केरटिन होता है। इसे पाने

## इन घटेलू उपचारों से बनाएं शरीर को 10 दिनों में गोदा

के लिये आप चिकन, अंडे, रेड मीट, लो फैट बाला मिल्क प्रोटीन, सी फूड, सोया बीन और सावुत अनाज खाएं।

अखरोट - अखरोट में जरूरी बायोटिन होते हैं जो कि हेपर लॉस को रोकने में मदद करते हैं। विटामिन ई के साथ साथ यह हमारी डीएनए सेल्स को डैमेज होने से भी बचता है।

दालें-दालें में आयरन, जिंक, प्रोटीन और बायोटिन होते हैं जो बालों और नाखूनों को मजबूत बनाते हैं।

पालक-इसमें बीटा कैरोटीन, फोलेट और विटामिन सी होते हैं जो कि बालों की जड़ों तथा नाखूनों को मजबूत बनाते हैं।

शरकरांद - अगर शरीर में विटामिन ए की कमी है तो सिर में खुजली और रुसी की समस्या हो जाएगी। मगर शरकरांद में बीटा कैरोटीन होने के नाते शरीर में विटामिन ए बनाना शुरू हो जाता है।

दालचीनी-दालचीनी के सेवन से शरीर में खून का अच्छा फलों होने लगता है, जिससे बालों की जड़ों को ऑक्सीजन और पोषण पहुंच पाता है।

नींबू शरीर का रंग निखारने के लिये आपको नींबू और शहद के मिश्रण से पूरे शरीर पर मसाज करना चाहिये। ऐसा रोज करने से आप 10 ही दिनों में चमक जाएंगे।

गुलाब जल -गुलाब जल में नींबू का रस मिला कर नहाने से त्वचा ब्लीच हो जाती है।



अंडे की जर्दी-अंडे का पीला भाग शरीर पर लगाएं और बाद में सिक्के से शरीर को साफ कर लें, जिससे अंडे की गंध चलती जाए। ऐसा 10 दिनों तक करें और लाभ देयें।

दूध से स्नान अगर आपको गोरी त्वचा चाहिये तो 10 दिनों तक प्यारे दूध से स्नान करें। इसके लिये आपको साबुन की जरूरत नहीं है। दूध से ही आपको शरीर साफ और ठोन हो जाएगा। दूध अपने शरीर की मसाज दही और नींबू के रस से करें।

जीतून तेल-यह बहुत ही हल्का तेल है जो कि त्वचा पर आसानी से बैठ जाता है। आपको करना सर्फिं इतना है कि वो जीतून की परतियों को पेस्ट बना लें और उसमें 1 बंद जैतून तेल मिक्स करें। इसे पेस्ट को अपनी ब्रुर्झिंस पर लगाएं।

जैतून तेल-यह बहुत ही हल्का तेल है जो कि त्वचा पर आसानी से बैठ जाता है। आपको करना सर्फिं इतना है कि वो जैतून की परतियों को पेस्ट बना लें और उसमें 1 बंद जैतून तेल मिक्स करें। इसे पेस्ट को अपनी ब्रुर्झिंस पर लगाएं।

गुडल-यह फूल और इसकी परतियां त्वचा के लिये काफी अच्छी हैं। इन दोनों का गाढ़ा पेस्ट तैयार करें और आयली चेहरे पर लगाएं, जिससे चेहरे पर अत्यधिक तेल ना निकले।

पुदीना-पुदीने उस त्वचा के लिये अच्छा माना जाता है जिस पर गहरे दाग और धब्बे होते हैं। इसमें मौजूद गुण त्वचा के धब्बे हटा कर पोर्स को अंदर से साफ करता है।

जैतून तेल-यह बहुत ही हल्का तेल है जो कि त्वचा पर आसानी से बैठ जाता है। आपको करना सर्फिं इतना है कि वो जैतून की परतियों को पेस्ट बना लें और उसमें 1 बंद जैतून तेल मिक्स करें। इसे पेस्ट को अपनी ब्रुर्झिंस पर लगाएं।

पुदीना-पुदीने उस त्वचा के लिये अच्छा माना जाता है जिस पर गहरे दाग और धब्बे होते हैं। इसमें मौजूद गुण त्वचा के धब्बे हटा कर पोर्स को अंदर से साफ करता है।

कढ़ू दाल तड़का एक बहुत ही रेस्टी दाल रेसिपी है जिसमें तीन तरह की दालें और कढ़ू एक साथ पकाया जाता है। यह दाल मधुमेह रोगियों के लिये काफी हल्की हो सकती है। इसे आप दिन में कभी भी बना सकती हैं। इसमें लहसुन का तड़का लगाएं और पिंफ इसे सर्व करने से पहले इसमें धी डालें। यह दाल काफी टेस्टी लगती है। तो अगर आपके घर पर कोई डायबिटीज का रोगी है जो साधारण सा भोजन कर के

थक चुका है, तो उसे यह दाल बना कर जरूर खिलाएं।

आपको गोरी त्वचा बनाने के लिए यह बहुत अच्छी रोगिया है।

कढ़ू दाल तड़का एक बहुत ही रेस्टी दाल रेसिपी है जिसमें तीन तरह की दालें और कढ़ू एक साथ पकाया जाता है। यह दाल मधुमेह रोगियों के लिये काफी हल्की हो सकती है। इसे आप दिन में कभी भी बना सकती हैं। इसमें लहसुन का तड़का लगाएं और पिंफ इसे सर्व करने से पहले इसमें धी डालें। यह दाल काफी टेस्टी लगती है। तो अगर आपके घर पर कोई डायबिटीज का रोगी है जो साधारण सा भोजन कर के

थक चुका है, तो उसे यह दाल बना कर जरूर खिलाएं।

आपको गोरी त्वचा बनाने के लिए यह बहुत अच्छी रोगिया है।

कढ़ू दाल तड़का एक बहुत ही रेस्टी दाल रेसिपी है जिसमें तीन तरह की दालें और कढ़ू एक साथ पकाया जाता है। यह दाल मधुमेह रोगियों के लिये काफी हल्की हो सकती है। इसे आप दिन में कभी भी बना सकती हैं। इसमें लहसुन का तड़का लगाएं और पिंफ इसे सर्व करने से पहले इसमें धी डालें। यह दाल काफी टेस्टी लगती है। तो अगर आपके घर पर कोई डायबिटीज का रोगी है जो साधारण सा भोजन कर के

थक चुका है, तो उसे यह दाल बना कर जरूर खिलाएं।

आपको गोरी त्वचा बनाने के लिए यह बहुत अच्छी रोगिया है।

कढ़ू दाल तड़का एक बहुत ही रेस्टी दाल रेसिपी है जिसमें तीन तरह की दालें और कढ़ू एक साथ पकाया जाता है। यह दाल मधुमेह रोगियों के लिये काफी हल्की हो सकती है। इसे आप दिन में कभी भी बना सकती हैं। इसमें लहसुन का तड़का लगाएं और पिंफ इसे सर्व करने से पहले इसमें धी डालें। यह दाल काफी टेस्टी लगती है। तो अगर आपके घर पर कोई डायबिटीज का रोगी है जो साधारण सा भोजन कर के

थक चुका है, तो उसे यह दाल बना कर जरूर खिलाएं।

आपको गोरी त्वचा बनाने के लिए यह बहुत अच्छी रोगिया है।

कढ़ू दाल तड़का एक बहुत ही रेस्टी दाल रेसिपी है जिसमें तीन तरह की दालें और कढ़ू एक साथ पकाया जाता है। यह दाल मधुमेह रोगियों के लिये काफी हल्की हो सकती है। इसे आप दिन में कभी भी बना सकती हैं। इसमें लहसुन का तड़का लगाएं और पिंफ इसे सर्व करने से पहले इसमें धी डालें। यह दाल काफी टेस्टी लगती है। तो अगर आपके घर पर कोई डायबिटीज का रोगी है जो साधारण सा भोजन कर के

थक चुका है, तो उसे यह दाल बना कर जरूर खिलाएं।

आपको गोरी त्वचा बनाने के लिए यह बहुत अच्छी रोगिया है।

कढ़ू दाल तड़का एक बहुत ही रेस्टी दाल रेसिपी है जिसमें तीन तरह की दालें और कढ़ू एक साथ पकाया जाता है। यह दाल मधुमेह रोगियों के लिये काफी हल्की हो सकती है। इसे आप दिन में कभी भी बना सकती हैं। इसमें लहसुन का तड़का लगाएं और पिंफ इसे सर्व करने से पहले इसमें धी डालें। यह दाल काफी टेस्टी लगती है। तो अगर आपके घर पर कोई डायबिटीज का रोगी है जो साधारण सा भोजन कर के

थक चुका है, तो उसे यह दाल बना कर जरूर खिलाएं।

आपको गोरी त्वचा बनाने के लिए यह बहुत अच्छी रोगिया है।

कढ़ू दाल तड़का एक बहुत ही रेस्टी दाल रेसिपी है जिसमें तीन तरह की दालें और कढ़ू एक साथ पकाया जाता है। यह दाल मधुमेह रोगियों के लिये काफी हल्की हो सकती है। इसे आप दिन में कभी भी बना सकती हैं। इसमें लहसुन का तड़का लगाएं और पिंफ इसे सर्व करने से पहले इसमें धी डालें। यह दाल काफी टेस्टी लगती है। तो अगर आपके घर पर कोई डायबिटीज का रोगी है जो साधारण सा भोजन कर के

थक चुका है, तो उसे यह दाल बना कर जरूर खिलाएं।

आपको गोरी त्वचा बनाने के लिए यह बहुत अच्छी रोगिया है।

कढ़ू दाल तड़का एक बहुत ही रेस्टी दाल रेसिपी है जिसमें तीन तरह की दालें और कढ़ू एक साथ पकाया जाता है। यह दाल मधुमेह रोगियों के लिये काफी हल्की हो सकती है। इसे आप दिन में कभी भी बना सकती हैं। इसमें लहसुन का तड़का लगाएं और पिंफ इसे सर्व करने से पहले इसमें धी डालें। यह दाल काफी टेस्टी लगती है। तो अगर आपके घर पर कोई डायबिटीज का रोगी है जो साधारण सा भोज